देवी अहिल्या वि० वि० इंदौर
एम० ए० (नृत्य) पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध

सत्र - 2019-20

प्रथम द्वितीय तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा योजना

(1) प्रथम प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) - पूर्णांक - 85 - न्यूनांक - 28
सी सी ई - 15 -

(2) द्वितीय प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) - पूर्णांक - 85 न्यूनांक - 28
सी सी ई - 15 -

(3) तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) पूर्णांक - 100 - न्यूनांक - 40

(4) चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) पूर्णांक - 100 - न्यूनांक - 40

चतुर्थ सेमेस्टर - इन्टर्नशिप - पूर्णांक - 100

उपरोक्त परीक्षा योजना सत्र 2019-20 से लागू होगी।

S. Harmalkar
18.3.2019
(Dr. S. Harmalkar)

18/3/19

18/3/19

18/3/19

(2)

कथक नृत्य विभाग

सत्र 2019 – 20

सैद्धांतिक एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

प्रश्नपत्र प्रथम (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों का संक्षिप्त परिचय–
बालीनीज एवं थाई
दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों पर भारतीय नृत्यकला का प्रभाव
- बैले की उत्पत्ति, इतिहास व विकास
- आधुनिक नृत्य का विकास – नृत्यनाटिका, संगीतिका

इकाई 2.
- करण, अंगहार, रेचक, पिण्डबन्ध, स्थान
- हस्ताभिनय : दशावतार हस्त, जाति हस्त, बांधव हस्त

इकाई 3. रस का स्वरुप, भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव, रसो की संख्या, रसों के प्रकार
- नायक भेद

इकाई 4.
- ताल शब्द की व्युत्पत्ति
- ताल के दश प्राण
- लय प्रस्तार – विभिन्न लयकारियों को लिखने का अभ्यास

इकाई 5. निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबद्ध करना–
धमार / रुपक, पंचम सवारी / शिखर, मत्त ताल / त्रिताल

18/3/19

18/3/19

18/3/19

कथक नृत्य

सत्र 2019-20

सैद्धांतिक एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

प्रश्नपत्र द्वितीय (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. भारतीय नृत्यकला का इतिहास।
प्रागैतिहासिक काल, वैदिक काल, रामायण काल, महाभारत काल, जैन व बौद्ध धर्म के अभ्युदय का काल।

इकाई 2. भारत की विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन– कथक, कथकली, मणिपुरी, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओड़िसी सत्रिया एवं छाऊ नृत्य का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 3. नृत्यकला संबंधी प्राचीन ग्रंथों की जानकारी।
अभिनय दर्पण एवं संगीत रत्नाकर का नृत्य अध्याय।
नाट्यशास्त्र की विषय वस्तु का अध्ययन।

इकाई 4. नवाब वाजिद अली शाह एवं राजा चक्रधर सिंह का कथक के विकास में योगदान।
राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित ग्रन्थों का परिचय।

इकाई 5. साहित्य एवं नृत्यकला का अन्य ललित कलाओं से संबंध।
नृत्य में गायन – नृत्य की संस्थागत शिक्षण प्रणाली एवं गुरु शिष्य परम्परा का तुलनात्मक अध्ययन।

(4)

सत्र 2019 – 20

एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

प्रथम प्रश्नपत्र प्रायोगिक (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85 – 100

न्यूनांक – 28 – 40

ताल नर्तन

इकाई 1. तीन ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की विशेष क्षमता

इकाई 2. निम्नलिखित अप्रचलित तालों में से किसी एक ताल में सम्पूर्ण नर्तन– पंचम सवारी, रास, अष्टमंगल

इकाई 3. क्रम लय, तत्कार के पल्टे

इकाई 4. द्रुत गति में पैरों की तैयारी

इकाई 5. उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय

18/3/19 18/3/19 18/3/19

(5)

सत्र 2019 -20

एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

प्रायोगिक द्वितीय (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85

न्यूनांक – 28

अभिनय एवं नृत्त व नृत्य संरचना

इकाई 1. परिष्कृत प्रकार की गते या गत विकास
घूंघट के प्रकार, रुखसार, आंचल, मटकी, मुरली, छेड़छाड़ की गत

इकाई 2. निम्न में से किसी एक कथानक पर गतभाव
द्रौपदी चीरहरण, जटायू मोक्ष, कालिया दमन, गोवर्धन धारण

इकाई 3. गणेश अथवा शिव स्तुति / वंदना पर भाव प्रदर्शन
दादरा या कहरवा पर आधारित गीत पर भाव प्रदर्शन

इकाई 4. परीक्षक द्वारा पूछे गए किसी अपरिचित बोल को पहन्त व उसे प्रदर्शित करने की क्षमता

इकाई 5 अष्टनायिका पर भाव प्रदर्शन (कम से कम चार)

18/3/19

कथक नृत्य

सत्र 2019 – 20

एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

सैद्धान्तिक प्रथम प्रश्नपत्र (द्वितीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. निम्नलिखत दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों का संक्षिप्त परिचय एवं भारतीय नृत्यकला के साथ सहसम्बंध –
जावानीज
~~जबानीज~~, केनेडियन, बर्मीज

इकाई 2. पाश्चात्य नृत्यकला का परिचय बालरूम डांस, आपेरा

इकाई 3.
- चारी, मण्डल, भ्रमरी, उत्पलवन भेद, गति भेद, अभिनय भेद
- हस्ताभिनय – देवहस्त, नवग्रह हस्त, [illegible] हस्त

इकाई 4. रस निष्पत्ति के सिद्धांत, नायिका भेद,
अष्टनायिका का परिचय उदाहरण सहित

इकाई 5.
- ताल शब्दावली, उत्तर तथा दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का परिचय
- निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपि[illegible]

झपताल / एकताल, रास / अष्टमंगल/[illegible]

(7)

सत्र 2019 - 20

एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

सैद्धान्तिक द्वितीय प्रश्नपत्र (द्वितीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. पूर्व मध्यकाल एवं इस्लामी सत्ताकाल मे भारतीय नृत्यकला के विकास की जानकारी।
स्वतंत्र भारत में नृत्यकला का विकास।

इकाई 2. पारम्परिक नृत्य नाट्य – यक्षगान, रामलीला, नौटंकी, नकाली का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 3. आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित भरतनाट्य शास्त्र का सामान्य परिचय व भरतनाट्य शास्त्र के 'ताण्डव लक्षणम' नामक चतुर्थ अध्याय का विशेष अध्ययन।

इकाई 4. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का उद्भव, विकास व विशेषताए।
- लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना, रायगढ़ घराना,

इकाई 5. रासलीला और कथक नृत्य का सहसंबध।
- म.प्र. के पारम्परिक लोक नृत्यों का सामान्य परिचय।

18/3/19 18/3/19 18/3/19

सत्र 2019 - 20

एम.ए. पूर्वार्द्ध नृत्य (कथक)

प्रायोगिक प्रथम प्रश्नपत्र (द्वितीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 100
न्यूनांक – 33

इकाई 1. निम्नलिखित प्रचलित तालों में से किसी एक ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की क्षमता– धमार, रूपक, झपताल, एकताल

इकाई 2. नौहक्का, जाति परन, फरमाईशी, दुपल्ली, त्रिपल्ली व चौपल्ली परनों का ज्ञान

इकाई 3. जरब

इकाई 4. बोल जाति

इकाई 5. उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय

18/3/19 18/3 18/3/19

सत्र 2019 - 20

एम.ए. पूर्वार्द्ध नृत्य (कथक)

प्रायोगिक द्वितीय प्रश्नपत्र (द्वितीय सेमेस्टर)

पूर्णांक - 100

न्यूनांक - 33

अभिनय

इकाई 1. कृष्ण अथवा राम की वन्दना / स्तुति पर भाव प्रदर्शन

इकाई 2. निम्नलिखित कथानकों में से किसी एक कथानक पर गतभाव–
माखन चोरी, होली, सीता हरण, मदन दहन।

इकाई 3. किसी एक ठुमरी पर भाव प्रदर्शन।

इकाई 4. तराना।

इकाई 5. परीक्षक द्वारा पूछे गए विषय पर भाव प्रदर्शन की क्षमता।

18/3/19 18/3/19 18/3/19

सत्र 2019 – 20

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

सैद्धान्तिक प्रथम प्रश्नपत्र (तृतीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. • नाट्य शास्त्र का परिचय – नाट्य शास्त्र के समस्त अध्यायों की विषयवस्तु का विस्तृत विवेचन

• नाट्य शास्त्र के निम्न व्याख्याकारों का संक्षिप्त परिचय-
भट्ट उद्भट, भट्ट लोल्लट, श्री शंकुक, भट्ट नायक, आचार्य कीर्तिधर, नान्यदेव, भट्टतौत, अभिनव गुप्त

इकाई 2 • भारतीय रंगमंच का स्वरूप व परम्परा।

• भरत वर्णित नाट्य शालाएं।

• रंग मण्डप का विकास।

• भरत नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्यगृह की निर्माण विधि।

इकाई 3. • पूर्वरंग– पूर्वरंग का विधान, पूर्वरंग के अंग, नान्दी, प्रस्तावना, पूर्वरंग के विभेद।

इकाई 4 • आंगिक अभिनय के अंतर्गत भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार शीश, भृकुटी, दृष्टि, उर एवं कटि भेद।

• पारिभाषिक – औघट, उरमाई, [illegible], [illegible], तुलप, [illegible], स्तुति, पाहपाजुरी, आलडॉट, धिलांग, शुद्धमुद्रा, थर, सुढंग, त्रिभंग, घूमरिया, चंक्रमण, चलाचल, छन्द, सरन।

इकाई 5. • चतुरंग, त्रिवट, तराना, ध्रुपद, गजल, गीत, भजन, कजरी, चेती, ठुमरी आदि गीति प्रकारों का अध्ययन।

सत्र - ~~2018-19~~ 2019-20

एम०ए० उत्तरार्ध - नृत्य (कथक) - तृतीय सेमेस्टर

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र द्वितीय

पूर्णांक - 85 न्यूनांक - 28

अंक -

इकाई 1. निबन्ध लेखन - किसी एक विषय पर - 30

(i) नृत्य एवं योग

(ii) नृत्य का अन्य ललित कलाओं से सम्बन्ध

(iii) नृत्य एवं चलचित्र

(iv) कृष्ण चरित्र का कथक नृत्य शैली पर प्रभाव

(v) नृत्य विषयक भारतीय परिकल्पना

इकाई 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी - 10+5 =15

(i) नृत्य शिक्षण की [illegible] आलयीन शिक्षण पद्धति

(ii) नृत्य एवं समाज

(iii) नृत्य सीखने के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक लाभ

(iv) ~~भारत~~ मालवा के लोकनृत्यों का सौन्दर्य

इकाई - 3 - कथक नृत्य में आए बदलाव की जानकारी निम्न बिंदुओं के आधार पर - 10

- प्रदर्शन क्रम - मेकअप, वेशभूषा - साहित्य (अभिनय की विषयवस्तु) - संगीत, वाद्यवृन्द - ध्वनि प्रकाश - नवीनप्रयोग

इकाई - 4. परिभाषाएं - उदाहरण सहित - 10

नौहक्का, फरद, जातीपरन, फरमाईशी, कमाली, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली

इकाई - 5. निम्नलिखित तालों में बोलो को लिपिबद्ध करना - 20

रासताल, अष्टमंगल, शिखर, पंचमसवारी

[illegible], धमार, एकताल, झपताल, त्रिताल

(हस्ताक्षर) 18/3/19 (हस्ताक्षर) 18/3/19 (हस्ताक्षर)

सत्र 2019-20

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र द्वितीय (तृतीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. निबंध लेखन–

1. नृत्य एवं योग।
2. कृष्ण चरित्र का कथक नृत्य शैली पर प्रभाव।
3. नृत्य विषयक भारतीय परिकल्पना।
4. नृत्य एक शास्त्रीय विवेचनाएं।
5. कथक नृत्य में आए बदलाव की जानकारी, निम्न बिन्दुओं के आधार पर प्रदर्शन क्रम, मेकअप वेशभूषा, साहित्य (अभिनय की विषयवस्तु), संगीत व वाद्यवृन्द, ध्वनि व प्रकाश योजना

इकाई 2.

- परिभाषाएं उदाहरण सहित– नौहक्का, फरद, जातिपरन, फरमाईशी, कमाली, बढ़ैय्या परन।
- निम्नलिखित तालों में परीक्षक द्वारा दिए गए बोलों को लिपिबद्ध करना– रासताल, शिखरताल, पंचम सवारी, अष्ट मंगल, धमार, एकताल, झपताल एवं त्रिताल।

18/3/19 18/3/19 18/3/19

(4) नृत्य एक शास्त्रीय विवेचन

(6) ~~लोकनृत्यों का सौन्दर्य~~ भारतीय लोकनृत्यों का सौन्दर्य

(7) नृत्य का अन्य ललित कलाओं से सम्बन्ध

(8) नृत्य ~~शिक्षण~~ की महाविद्यालयीन शिक्षण पद्धति

(9) नृत्य एवं समाज

(10) नृत्य एवं चलचित्र

निबंध लेखन	–	30
संक्षिप्त टिप्पणी	–	15
नृत्य में आए बदलाव	–	10
परिभाषाएं	–	10
लिपिबद्ध	–	20

(13)

सत्र 2019 - 20

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

प्रायोगिक प्रश्नपत्र प्रथम (तृतीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 100

न्यूनांक – 33

ताल नर्तन

इकाई 1. निम्नलिखित अप्रचलित तालों में से किसी एक ताल पर सम्पूर्ण नर्तन – बसंत, रुद्र एवं शिखर ताल।

इकाई 2. त्रिताल के अतिरिक्त किसी भी एक प्रचलित ताल में नृत्य प्रदर्शन।

सत्र 2012 - 13

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

प्रायोगिक प्रश्नपत्र द्वितीय (तृतीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 100

न्यूनांक – 33

अभिनय

इकाई 1. देवी की स्तुति / वंदना

1. किसी भी एक अष्टपदी पर आधारित नृत्य रचना।
2. होरी या झूला गीत पर आधारित नृत्य रचना।
3. नवरसों का क्रियात्मक प्रदर्शन।
4. परिष्कृत प्रकार की गतो (गत विकास) का प्रदर्शन।

(14)

सत्र 2019-20

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र प्रथम (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1.
- कथक का नामकरण, कथक के [illegible] शब्द, कथक शब्द की व्युत्पत्ति, कथक शब्द की प्रयोग परम्परा।
- कथक व नटवरी नृत्य।
- कथक नृत्य की विकास धारा।

इकाई 2.
- ताण्डव व लास्य नृत्य – उत्पत्ति, परिभाषा एवं प्रकार।
- निम्न पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान– हाव–भाव, कटाक्ष, अंदाज, व्यूह–क्रिया, सप्त पदार्थ, सप्त अवयव, सप्त माल, न्यासविन्यास, सोलह श्रृंगार, सोलह अंग, बारह आभूषण।

इकाई 3.
- कथक के नृत्तांग का सामान्य परिचय।
- नृत्तांग के मूलभूत तत्व– हस्तक, [illegible] प्रबंध, विशुद्ध नृत्य के बोल, तबला पखावज के बोल व परमेलु का तात्विक अध्ययन।

इकाई 4
- कथक शैली के भाव प्रदर्शन की [illegible], [illegible], अर्थभाव, नृत्यभाव, गतअर्थभाव, [illegible]
- [illegible]

इकाई 5.
- नृत्य के मंच प्रदर्शन की आधुनिक विधियाँ- आलेख लेखन, संगीत रचना, नृत्य निर्देशन, ध्वनि एवं प्रकाश योजना, मंचव्यवस्था, मंच परिकल्पना।
- नृत्य के विकास व प्रसार में संचार [illegible] की भूमिका।

(15)

सत्र 2019 – 20

एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र द्वितीय (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. दिये गये कथानकों पर निम्न बिन्दुओं के आधार पर नृत्यनाटिका की संरचना–
विषयवस्तु, पात्र चयन, मंचसज्जा, प्रकाश योजना, वेशभूषा, प्रयोग में लाई गई हस्त मुद्राएँ, रस एवं वाद्यवृंद।

इकाई 2.
- बोल रचना – परिक्षक द्वारा निर्धारित ताल के अंतर्गत दिए गए शब्दों पर बोलों की संरचना।
- निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी–

1. मार्गी व देसी नृत्य।
2. आधुनिक युग में कथक शैली में किए गए सृजनात्मक प्रयोग– युगल, समूहनर्तन, फ्युजन।
3. 20वीं शताब्दी में नृत्य का विकास।
4. मध्य प्रदेश में नृत्य परंपरा।

18/3/19 18/3/19 18/9/19

सत्र 2019 – 20
एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)
प्रायोगिक प्रश्नपत्र प्रथम (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 100
न्यूनांक – 33

मंच प्रदर्शन

इकाई 1. मंच प्रदर्शन – 30 मिनिट तक नृतांग की तथा 15 मिनिट अभिनय की प्रस्तुती।

इकाई 2. परीक्षक द्वारा पूछे गए ताल अथवा अभिनय रचना पर प्रदर्शन की क्षमता।

इकाई 3. तत्कार, बॉट, लड़ी, पल्टे आदि का प्रदर्शन।

सत्र 2019 – 20
एम.ए. उत्तरार्ध नृत्य (कथक)
प्रायोगिक प्रश्नपत्र द्वितीय (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 100
न्यूनांक – 33

विविध नर्तन

इकाई 1. निम्नलिखित विशिष्ट प्रकार की परनो पर नृत्य प्रदर्शन। (35 अंक)
ऋतु परन, दुर्गा परन, पक्षी परन, जाति परन, शिव परन, गणेश परन, प्रिमलू आदि।

इकाई 2. कजरी अथवा चैती पर आधारित नृत्य रचना। (25 अक)

इकाई 3. ध्रुपद पर आधारित नृत्य रचना (25 अंक) अथवा भजन
– तराना

इकाई 4. द्रुत लय में बोल परनों को करने का अभ्यास। (15 अंक)

18/3/19 18/3/19 18/3/19